Experts' Institute
8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
JAVA Comp. Applications
Python Robotics & AI

ST. JOSEPH'S COLLEGE PRAYAGRAJ
Half Yearly Examination - 2024
HINDI
Class- IX

Time : 3 hrs **M.M.80**

नोट– यह प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है–
खण्ड–क एवं खण्ड–ख
खण्ड क के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
खण्ड–'ख' से कुल चार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड–क (40 Marks)

Q 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में एक निबन्ध लिखिए– (15)

(i) 'पर्यावरण है तो जीवन है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप अपनी ओर से क्या–क्या प्रयास कर रहे हैं ? विस्तार से लिखिए।

(ii) स्वतंत्रता दिवस की संप्रभुता को बनाए रखना प्रत्येक भारतीय का दायित्व होना चाहिए। हम स्वतंत्रता दिवस कब, क्यों एवं कैसे मनाते हैं? निबन्ध के रूप में लिखिए।

(iii) आज समाज के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। इसके कारणों, दुष्प्रभाव तथा समाधान के उपायों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(iv) 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' इस वाक्य से आरम्भ अथवा अंत करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए ।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका वर्णन कीजिए अथवा कोई कहानी घटना या लेख लिखिए जिसका सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Q 2) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :– (7)

(i) आपका छोटा भाई अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया के उपयोग में व्यतीत करता है। सोशल मीडिया से दूर रहने का सुझाव देते हुए उसे पत्र लिखिए।

(ii) दिन–प्रतिदिन बढ़ते हुए जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर पालिका के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए जिसमें वर्षा के जल का संचयन(Rain water harvesting) करने के लिए व्यापक स्तर पर परियोजना चलाने का सुझाव दिया गया हो।

Q 3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

एक संन्यासी जीवन के रहस्यों को खोजने के लिए कई दिनों तक तपस्या एवं कठोर साधना में लगे रहे, पर आत्मज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई। थक हारकर उन्होंने तपस्या छोड़कर घर लौटने का निश्चय किया। दु:ख एवं पराजय की भावना ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया था। वे लड़खड़ाते कदमों से वापस आ रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी, पानी पीने के लिए वे नदी के किनारे गए तो वहाँ उन्होंने अजीब नज़ारा देखा। एक नन्हीं गिलहरी नदी के जल में अपनी पूँछ भिगोकर पानी बाहर छिड़क रही थी, गिलहरी बिना थके अविचल भाव से इस कार्य को करती जा रही थी। संन्यासी ने उत्सुकता से गिलहरी से पूछा ''यह तुम क्या कर रही हो? गिलहरी ने उत्तर दिया ''इस नदी ने मेरे बच्चों को मार डाला है, मैं उसी का बदला ले रही हूँ, मैं नदी को सुखाकर ही छोड़ूँगी। संन्यासी ने कहा तुम्हारे इतने छोटे शरीर, थोड़े से बल और सीमित साधनों से यह नदी कैसे सूख जाएगी? यह काम असंभव है, गिलहरी बोली यह कब सूखेगी मैं यह नहीं जानती लेकिन मैं अपने काम में निरन्तर लगी रहूँगी। मैं श्रम करने और कठिनाइयों से टकराने को तैयार हूँ फिर मुझे सफलता क्यों नहीं मिलेगी।

संन्यासी सोचने लगा कि जब यह नन्ही गिलहरी अपने थोड़े से साधनों से इतना बड़ा कार्य करने का स्वप्न देखती है, तब मैं भला उच्च मस्तिष्क तथा मजबूत शरीर वाला विकसित मनुष्य अपनी मंजिल को क्यों नहीं पा सकता। कठिनाइयों से लड़ने के संकल्प से ही मनुष्य में शक्ति का संचार होता है, जिससे उसे सफलता प्राप्त होती है। मुसीबत से लोहा लेकर ही मनुष्य का चरित्र चमकता है और उसमें देवत्व का विकास होता है यह सोचकर संन्यासी फिर साधना के लिए लौट गए।

(i) संन्यासी के मन में दु:ख और पराजय का भाव क्यों उत्पन्न हुआ? (2)
(ii) रास्ते में संन्यासी ने कौन सा नजारा देखा? (2)
(iii) संन्यासी ने गिलहरी के किस कार्य को असंभव बताया, तब गिलहरी ने क्या उत्तर दिया? (2)
(iv) गिलहरी के कार्य से संन्यासी को क्या प्रेरणा मिली? (2)
(v) इस गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है? समझाइए। (2)

Q 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :– (8)

(i) **'विरोध' का विलोम बताइए: :**
(a) सार्थक
(b) समर्पण
(c) समर्थन
(d) निरर्थक

(ii) **'कोयल' का पर्यायवाची बताइए :**
(a) घनश्याम–नभचर
(b) चिड़िया–पक्षी
(c) कपि–बसंत
(d) पिक–श्यामा

(iii) **'उड़ना' की भाववाचक संज्ञा बताइए :–**
(a) उड़ाना
(b) उड़ान
(c) उड़ रहा
(d) उडनखटोला

(iv) 'अपेक्षा' का विशेषण बताइए
(a) उपेक्षा
(b) आपेक्षा
(c) अनुपेक्षा
(d) अपेक्षित

(v) 'अपरीचित' का शुद्ध रूप बताइए
(a) आपरीचित
(b) अपरिचीत
(c) अपरिचित
(d) अपरीचीत

(vi) 'कलेजा ठंडा होना' मुहावरे का अर्थ बताइए :
(a) कठोर होना
(b) संतोष होना
(c) प्रभाव न पड़ना
(d) निराश होना

(vii) निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
बच्चे अपना गृह कार्य करते हैं।(वाक्य भविष्य काल में बदलिए)
(a) बच्चे अपना गृह कार्य करते थे।
(b) बच्चे अपना गृह कार्य करेंगे।
(c) बच्चे अपना गृह कार्य कर रहे थे।
(d) बच्चे अपना गृह कार्य कर चुके होगें।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :
वह भूखा है। ('भूख' शब्द का प्रयोग कीजिए)
(a) है लगी उसे भूख ।
(b) उसे भूख लगी है।
(c) भूख लगी है उसे।
(d) लगी है भूख उसे।

SECTION B

साहित्य सागर–संक्षिप्त कहानियाँ

Q 5) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।
श्यामू ने धीरे से कहा, "किसी से न कहो, तो एक बात कहूँ।"
(1) इस कथन का श्रोता कौन है, उसका परिचय दीजिए? (2)
(2) श्यामू ने श्रोता से कौन सी बात कही? (2)
(3) श्यामू कौन था? उसका चरित्र चित्रण कीजिए? (3)
(4) इस कथन का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए? (3)

Q 6) अच्छा मँगा दूँगा– "कहकर वे उदास भाव से कहीं और चले गए।"
(1) इस कथन का वक्ता कौन है उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए? (2)
(2) इस कथन का श्रोता कौन है, वक्ता से उसका क्या सम्बन्ध है? (2)
(3) वक्ता किसे क्या मँगा देने की बात कह रहे थे, वक्ता की उदासी का क्या कारण था? (3)
(4) इस कहानी के अन्त में क्या हुआ? समझाकर लिखिए। (3)

Q 7) सामने वृक्षों का कुंज और कुआँ देखकर सेठ ने विचार किया कि थोड़ी देर रूककर भोजन और विश्राम कर लेना चाहिए।
(1) धनी सेठ कहाँ और क्यों जा रहे थे? (2)
(2) धनी सेठ के साथ रास्ते में कौन सी घटना घटी? (2)
(3) 'कृतज्ञता' शब्द का क्या अर्थ है, किसकी आँखों में, किसके लिये कृतज्ञता थी और क्यों? (3)
(4) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है? समझाकर लिखिए। (3)

साहित्य सागर–पद्य भाग

Q 8) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय।।
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ को एक रंग, काग सब भये अपावन।।
कह 'गिरिधर कविराय', सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के।।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने किन दो पक्षियों का उदाहरण दिया है ? उनकी क्या विशेषताएँ है ? (2)

(ii) उक्त पंक्तियों में कवि ने किसे 'सुहावन' तथा किसे 'अपावन' कहा है एवं क्यों ? (2)

(iii) "बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन क" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

(iv) शब्दार्थ लिखिए– (3)

1. सहस
2. कागा
3. सुहावन
4. दोऊ
5. अपावन
6. कोकिला

Q 9)

धर्मराज यह भूमि किसी की
नहीं कीत है दासी
है जन्मना समान परस्पर
इसके सभी निवासी।

सबको मुक्त प्रकाश चाहिए
सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास, मुक्त
आशंकाओं से जीवन।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में धर्मराज किसे कहा गया है ? उनके विषय में आप क्या जानते हैं। (2)

(ii) 'सबको' शब्द का क्या तात्पर्य है ? (2)

(iii) कवि के अनुसार सबको अपने जीवन में क्या चाहिए? समझाकर लिखिए। (3)

(iv) शब्दार्थ लिखिए– (3)

(i) मुक्त (ii) प्रकाश (iii) समीरण
(iv) आशंका (v) कीत (vi) जन्मना

Q 10)

उसे भूल वह फँसा परस्पर
ही शंका में, भय में
लगा हुआ केवल अपने में
और भोग संचय में।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में कौन, किसे भूल गया है ? (2)

(ii) किन बातों में कौन फँसा हुआ है ? स्पष्ट कीजिए। (2)

(iii) कवि के अनुसार आज मानव किस प्रकार का जीवन व्यतीत कर रहा है ? (3)

(iv) कवि का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए। (3)